Test Cloud

# Daily करेंट अफेयर्स

## 26 जून 2025

## NATIONAL AFFAIRS / GOVERNMENT SCHEME

### 1. एक्जिम बैंक ने 'विकसित भारत' विजन के लिए निर्यात-आधारित विकास में तेजी लाने के लिए नई दिल्ली में व्यापार सम्मेलन 2025 का आयोजन किया।

24 जून 2025 को भारतीय निर्यात-आयात बैंक (EXIM बैंक) ने भारत के निर्यात विकास को बढ़ावा देने और सरकार के 'विकसित भारत 2047' लक्ष्य का समर्थन करने के लिए नई दिल्ली में व्यापार सम्मेलन 2025 का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में नीति निर्माताओं, उद्योग जगत के नेताओं, MSMEs, वित्तीय विशेषज्ञों और अंतरराष्ट्रीय हितधारकों ने वैश्विक व्यापार, वित्त और बुनियादी ढांचे के समर्थन पर चर्चा की।

**• भारत ने वित्त वर्ष 2024-25 में 825 बिलियन अमेरिकी डॉलर का अपना अब तक का सबसे अधिक निर्यात दर्ज किया, जो वैश्विक औसत 4% की तुलना में 6.3% वार्षिक वृद्धि दर्ज करता है। यह प्रदर्शन वैश्विक व्यापार में भारत की बढ़ती स्थिति को पुष्ट करता है और कॉन्क्लेव में चर्चा के लिए एक महत्वपूर्ण पृष्ठभूमि थी।**

**• केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पांच फोकस क्षेत्रों पर प्रकाश डाला: लॉजिस्टिक्स में सुधार, एमएसएमई को सशक्त बनाना, व्यापार वित्त में सुधार, गिफ्ट सिटी जैसे फिनटेक प्लेटफार्मों को बढ़ावा देना और यूरोपीय संघ, UK और USA के साथ प्रमुख मुक्त व्यापार समझौतों (FTAs) को पूरा करना।**

**• एक्जिम बैंक ने लखनऊ (उत्तर प्रदेश), इंदौर (मध्य प्रदेश) और साओ पाउलो (ब्राजील) में तीन नए क्षेत्रीय और वैश्विक कार्यालय शुरू किए। इन केंद्रों का उद्देश्य निर्यातकों को जमीनी स्तर पर सहायता प्रदान करना, व्यापार सुविधा बढ़ाना और उभरते और लैटिन अमेरिकी बाजारों में भारत की पहुंच में सुधार करना है।**

**Key Points:-**

(i) अपने उभरते सितारे कार्यक्रम के तहत, EXIM बैंक ने 85 उच्च क्षमता वाले MSMEs को ₹1,522 करोड़ से अधिक की वित्तीय सहायता प्रदान की है। इसने मजबूत निर्यात क्षमता वाले प्रौद्योगिकी स्टार्टअप को सलाह देने के लिए आईआईटी कानपुर और IISc बेंगलुरु के साथ नई साझेदारी की भी घोषणा की।

(ii) 2022 में शुरू किया गया व्यापार सहायता कार्यक्रम (TAP) काफी बढ़ गया है। जून 2025 तक, इसने 100 से अधिक विदेशी बैंकों के सहयोग से 51 देशों में 1,100 से अधिक व्यापार लेनदेन का समर्थन किया है, जिससे भारतीय निर्यातकों को उच्च जोखिम वाले या उभरते बाजारों में सुरक्षित रूप से प्रवेश करने और संचालन करने में मदद मिली है।

(iii) सम्मेलन में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार वित्तपोषण सेवाओं (ITFS) और एक्जिम फिनसर्व (GIFT सिटी, गुजरात में स्थित) जैसे डिजिटल व्यापार वित्तपोषण उपकरणों पर जोर दिया गया। वक्ताओं ने यह भी चर्चा की कि कैसे PLI (उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन) योजनाओं ने 5.3 लाख करोड़ रुपये के निर्यात में योगदान दिया है, जिससे भारत की विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थिति में तेजी आई है।

### 2. भारत ने संरक्षण और पारिस्थितिकी पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए केरल के अरलम में पहला तितली अभयारण्य शुरू किया।

18 जून 2025 को, केरल राज्य वन्यजीव बोर्ड ने कन्नूर जिले में 55 वर्ग किलोमीटर के अरलम वन्यजीव अभयारण्य को आधिकारिक तौर पर भारत के पहले समर्पित तितली अभयारण्य के रूप में पुनः नामित किया। यह कदम क्षेत्र की असाधारण तितली विविधता को मान्यता देता है और इसका उद्देश्य संरक्षण, अनुसंधान और पारिस्थितिकी पर्यटन को बढ़ावा देना है।

**• अरलम 266 से अधिक तितली प्रजातियों का घर है, जो केरल की ज्ञात प्रजातियों का 80% से अधिक प्रतिनिधित्व करती हैं, जिनमें 27 स्थानिक प्रजातियां और कई लुप्तप्राय प्रजातियां शामिल हैं जो भारत के वन्यजीव संरक्षण अधिनियम की अनुसूचियों के तहत संरक्षित हैं।**

**• वर्ष 2000 से मालाबार नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी और केरल वन विभाग ने अरलम में वार्षिक तितली सर्वेक्षण आयोजित किए हैं। उनके विस्तृत रिकॉर्ड - जो अब लगातार 25 वर्षों तक फैले हुए हैं - ने अभयारण्य को तितली-विशिष्ट पदनाम दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।**

**• दिसंबर और फरवरी के बीच, प्रवासी तितलियाँ - खास तौर पर कॉमन अल्बाट्रॉस और डैनाइन प्रजातियाँ - अभयारण्य में सामूहिक रूप से उतरती हैं। अवलोकनों ने पाँच मिनट के भीतर एक ही स्थान से गुज़रने वाली 12,000 तितलियाँ दर्ज की हैं।**

**Key Points:-**

(i) आधिकारिक तितली अभयारण्य का दर्जा आवास संरक्षण के लिए नए वित्त पोषण के रास्ते खोलता है, चल रहे वैज्ञानिक अनुसंधान का समर्थन करता है, और पारिस्थितिकी पर्यटन को बढ़ावा देता है। अरलम अब भारत की वैश्विक जैव विविधता स्पॉटलाइट का हिस्सा है, जो प्रकृति प्रेमियों, छात्रों और शोधकर्ताओं का स्वागत करता है।

(ii) पश्चिमी घाट जैव विविधता हॉटस्पॉट के भीतर स्थित, अरलम में 55 वर्ग किलोमीटर में फैले उष्णकटिबंधीय और अर्ध-सदाबहार वन हैं। यह ब्रह्मगिरी घाटी में स्थित है, जो खनिज-समृद्ध नदी तटों से पोषित है - तितली आबादी के लिए आदर्श परिस्थितियाँ।

(iii) अभयारण्य में एक मजबूत अनुसंधान ढांचा है, जिसमें प्रत्येक जनवरी-फरवरी में आयोजित तितली प्रवास अध्ययन भी शामिल है, तथा यह कीट संरक्षण पर केंद्रित पारिस्थितिक अध्ययन, प्रजातियों की निगरानी और शैक्षिक पर्यटन के लिए एक मंच प्रदान करता है।

## 3. AICF ने युवा शतरंज प्रतिभाओं को सहायता देने के लिए शीर्ष राष्ट्रीय खिलाड़ियों के लिए वजीफा योजना शुरू की।

25 जून 2025 को, अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (AICF) ने 'शीर्ष राष्ट्रीय खिलाड़ियों के लिए वजीफा योजना' (TNPSS) शुरू की, जिसका उद्देश्य भारत के उभरते शतरंज सितारों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है। इसके पहले चरण में, U-7

से लेकर U-19 आयु वर्ग के 42 होनहार खिलाड़ियों को तिमाही वजीफे के रूप में ₹42.3 लाख वितरित किए गए।

**• TNPSS के तहत, 42 शीर्ष प्रदर्शन करने वाले युवा शतरंज खिलाड़ियों - अंडर-7 से अंडर-19 तक, जिनमें लड़के और लड़कियों का समान प्रतिनिधित्व है - को अप्रैल-जून 2025 तिमाही के लिए ₹60,000 से ₹1.5 लाख के बीच वजीफा मिला।**

**• भुगतान की पहली लहर में, AICF ने कुल ₹42.30 लाख सीधे खिलाड़ियों के बैंक खातों में स्थानांतरित किए, जो भारतीय शतरंज समर्थन संरचनाओं में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है।**

**• यह योजना उभरते शतरंज खिलाड़ियों के सामने आने वाली प्रमुख चुनौतियों जैसे प्रशिक्षण, यात्रा, कोचिंग और प्रतियोगिता के खर्चों को संबोधित करती है। AICF के अध्यक्ष नितिन नारंग ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य "भारत के हर युवा शतरंज खिलाड़ी में विश्वास प्रदर्शित करना" है।**

**Key Points:-**

(i) इस योजना को दो वर्षों तक चलाने का अनुमान है, जिसका बजट 6.15 करोड़ रुपये से अधिक होगा, जिससे शीर्ष जूनियर प्रतिभाओं को विकसित करने में निरंतर वित्तीय सहायता और दीर्घकालिक निवेश सुनिश्चित होगा।

(ii) लाभार्थियों को 2024 के दौरान उनके राष्ट्रीय चैंपियनशिप प्रदर्शन के आधार पर गुमनाम रूप से चुना गया, जिससे आयु समूहों, क्षेत्रों और लिंग में समावेशिता सुनिश्चित हुई। योजना के तहत प्रत्येक श्रेणी में - लड़के और लड़कियों दोनों में - प्रत्येक आयु समूह में तीन शीर्ष खिलाड़ी हैं।

(iii) TNPSS AICF के बड़े विजन का हिस्सा है - जिसे ₹65 करोड़ के समग्र बजट से समर्थन प्राप्त है - जिसका उद्देश्य भारत को वैश्विक शतरंज महाशक्ति के रूप में उभारना है। यह विजन राष्ट्रीय नीति उद्देश्यों से मेल खाता है जिसका उद्देश्य जमीनी स्तर से लेकर शीर्ष स्तर तक युवा खेल प्रतिभाओं की पहचान करना और उनमें निवेश करना है।

## 4. CBSE 2026-27 से द्विवार्षिक कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा शुरू करेगा - पहली परीक्षा अनिवार्य, दूसरी वैकल्पिक।

NEP-2020 के साथ एक महत्वपूर्ण बदलाव के तहत, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) 2026 से कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षाएं साल में दो बार आयोजित करेगा- फरवरी-मार्च में अनिवार्य पहला चरण और मई में वैकल्पिक दूसरा चरण। छात्र अंतिम परिणाम के लिए किसी भी प्रयास से सर्वश्रेष्ठ अंक चुन सकते हैं।

**• नई योजना के तहत, CBSE 17 फरवरी से 6 मार्च के बीच पहली अनिवार्य परीक्षा आयोजित करेगा, इसके बाद 5 से 20 मई तक वैकल्पिक दूसरा सत्र होगा। छात्र दूसरी परीक्षा देकर तीन विषयों में अंक सुधार सकते हैं।**

**• यह कदम NEP 2020 के लगातार, कम जोखिम वाले मूल्यांकन और परीक्षा के दबाव को कम करने पर जोर को दर्शाता है। यह छात्रों को लचीलापन देता है, तनाव कम करता है और एक बार में उच्च जोखिम वाली परीक्षा संस्कृति के बजाय लगातार सीखने को प्रोत्साहित करता है।**

**Key Points:-**

(i) द्विवार्षिक बोर्ड परीक्षा प्रणाली के तहत, दो प्रयासों में छात्रों के सर्वश्रेष्ठ अंकों को अंतिम परिणामों के लिए माना जाएगा, जिससे निष्पक्षता सुनिश्चित होगी और पहली परीक्षा के दौरान बीमारी या खराब प्रदर्शन से प्रभावित छात्रों को

दूसरा मौका मिलेगा। जबकि इस अवधारणा को अकादमिक दबाव को कम करने के लिए व्यापक रूप से सराहा जाता है, शिक्षकों ने व्यावहारिक चुनौतियों के बारे में चिंता जताई है जैसे कि परीक्षा अवधि के दौरान नियमित कक्षाओं का प्रबंधन, अतिरिक्त निरीक्षकों की आवश्यकता और शिक्षकों के लिए भारी मूल्यांकन कार्यभार।

(ii) CBSE ने मसौदा मानदंडों को मंजूरी दे दी है, जिन्हें सार्वजनिक टिप्पणियों के लिए जारी किया गया है। जल्द ही अंतिम दिशा-निर्देश जारी होने की उम्मीद है। 2026 में शुरू होने वाली कक्षा 10 की परीक्षा के लिए लगभग 26.6 लाख छात्रों के पंजीकरण का अनुमान है।

(iii) संशोधित प्रणाली - जो वर्ष 2026-27 से कक्षा 10 तक लागू होगी - में मुख्य विषयों के लिए बेसिक और एडवांस स्तर तथा उसी सत्र से CBSE से संबद्ध विदेशी स्कूलों के लिए वैश्विक पाठ्यक्रम शुरू करने पर भी विचार किया गया है।

## INTERNATIONAL

### 1. WHO रिपोर्ट 2025: तंबाकू नियंत्रण उपाय अब दुनिया भर में 6.1 अरब लोगों को सुरक्षा प्रदान कर रहे हैं।

23 जून 2025 को, विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने अपनी "वैश्विक तंबाकू महामारी रिपोर्ट" का 10वां संस्करण जारी किया, जिसमें खुलासा किया गया कि तंबाकू नियंत्रण उपायों से अब दुनिया भर में 6.1 बिलियन से अधिक लोगों की सुरक्षा हो गई है - जो दुनिया की लगभग 75% आबादी है। इस प्रगति के बावजूद, 1.2 बिलियन से अधिक लोग अभी भी असुरक्षित हैं, और ई-सिगरेट जैसे उभरते खतरे सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों के लिए चुनौती बने हुए हैं।

**• वैश्विक तम्बाकू महामारी रिपोर्ट WHO द्वारा द्विवार्षिक रूप से प्रकाशित की जाती है, जिसका उद्देश्य 2007 में शुरू की गई MPOWER रणनीति के कार्यान्वयन पर नज़र रखना है। एमपावर का मतलब है तम्बाकू के उपयोग की निगरानी करना, लोगों को धूम्रपान से बचाना, धूम्रपान छोड़ने में मदद करना, खतरों के बारे में चेतावनी देना, विज्ञापन प्रतिबंध लागू करना और कर बढ़ाना। 2025 तक, 155 देशों ने इनमें से कम से कम एक उपाय को उच्चतम स्तर पर अपनाया है।**

**• जब 2007 में MPOWER रणनीति शुरू हुई थी, तब केवल लगभग 1 बिलियन लोग ही कम से कम एक अनुशंसित उपाय के अंतर्गत आते थे। 2025 में, यह संख्या वैश्विक स्तर पर 6.1 बिलियन लोगों तक बढ़ गई है - जो तंबाकू नियंत्रण के लिए जनसंख्या कवरेज में छह गुना वृद्धि दर्शाता है। हालाँकि, 1.2 बिलियन लोग - मुख्य रूप से कम आय वाले क्षेत्रों में - अभी भी सुरक्षा से वंचित हैं।**

**• केवल चार देशों - ब्राज़ील, तुर्की, मॉरीशस और नीदरलैंड - ने सभी छह MPOWER रणनीतियों को उच्चतम स्तर पर पूरी तरह से लागू किया है। न्यूज़ीलैंड और आयरलैंड जैसे देश सिर्फ़ एक कदम पीछे हैं। हालाँकि, 40 देशों ने कोई भी सर्वोत्तम-अभ्यास MPOWER रणनीति नहीं अपनाई है, जबकि 30 से ज़्यादा देश अभी भी बिना ग्राफिक स्वास्थ्य चेतावनियों के सिगरेट बेचने की अनुमति देते हैं।**

**Key Points:-**

(i) रिपोर्ट में कहा गया है कि अब 110 देशों में सिगरेट के पैकेटों पर ग्राफिक स्वास्थ्य चेतावनी अनिवार्य है, जो दुनिया की 62% आबादी को कवर करता है, जबकि 2007 में यह संख्या केवल 9 देशों में थी। इसके अलावा, 25 देशों ने सादे पैकेजिंग की नीति अपनाई है। 79 देशों में व्यापक धूम्रपान-मुक्त कानून लागू हैं, जिससे हर साल सेकेंड हैंड स्मोकिंग के

संपर्क में आने से लगभग 1.3 मिलियन लोगों की जान बच रही है।

(ii) सबसे प्रभावी उपाय होने के बावजूद, तम्बाकू पर कर वैश्विक स्तर पर कमज़ोर बना हुआ है। वैश्विक आबादी का केवल 15% हिस्सा ही सर्वोत्तम-अभ्यास कर नीतियों (यानी, कर के रूप में खुदरा मूल्य का 75% से अधिक) द्वारा संरक्षित है। इसके अतिरिक्त, केवल 33% देश ही सरकार द्वारा समर्थित धूम्रपान छोड़ने की सेवाएँ प्रदान करते हैं, जैसे कि धूम्रपान छोड़ने की लाइनें और निकोटीन प्रतिस्थापन चिकित्सा, जो धूम्रपान करने वालों को छोड़ने में मदद करने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

(iii) रिपोर्ट में ई-सिगरेट, गर्म तम्बाकू उत्पादों और निकोटीन पाउच के बढ़ते चलन पर गंभीर चिंता जताई गई है, खास तौर पर युवाओं में। WHO ने देशों से इन उभरते उत्पादों को सख्ती से नियंत्रित करने का आग्रह किया है। तम्बाकू के कारण अभी भी हर साल 7 मिलियन से ज़्यादा मौतें हो रही हैं, इसलिए संगठन वैश्विक स्वास्थ्य लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए MPOWER के सभी छह उपायों के त्वरित क्रियान्वयन का आह्वान करता है।

## 2. भारतीय वन्यजीव संस्थान जैव विविधता चुनौतियों से निपटने और संरक्षण अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए ICCON 2025 की मेजबानी कर रहा है।

25 से 27 जून, 2025 तक, भारतीय वन्यजीव संस्थान (WII), देहरादून, भारतीय संरक्षण सम्मेलन (ICCON) 2025 की मेज़बानी करेगा, जो पर्यावरण विज्ञान और नीति के लिए भारत का प्रमुख मंच है। भारत और वैश्विक दक्षिण देशों के 500 से ज़्यादा प्रतिनिधि विचारों का आदान-प्रदान करने और जैव विविधता के ज़रूरी मुद्दों के लिए क्रॉस-सेक्टरल समाधानों को बढ़ावा देने के लिए इकट्ठा होंगे।

- **ICCON 2025 का आयोजन पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC), भारत सरकार के तत्वावधान में किया जा रहा है। सम्मेलन का उद्घाटन केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, MoEFCC, 25 जून, 2025 को उत्तराखंड के देहरादून स्थित भारतीय वन्यजीव संस्थान में करेंगे।**

- **तीन दिवसीय शिखर सम्मेलन में वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, भारतीय वन सेवा (IFS) अधिकारियों, युवाओं, गैर सरकारी संगठनों और वैश्विक नीति निर्माताओं को एक साथ लाया गया है ताकि भारत की सबसे गंभीर पारिस्थितिक चुनौतियों पर जोर देते हुए जैव विविधता संरक्षण के लिए अंतःविषयक संवाद और नवाचार को बढ़ावा दिया जा सके।**

- **प्रोजेक्ट टाइगर की स्वर्ण जयंती के दौरान 2023 में पहली बार लॉन्च किया गया ICCON उन्नत संरक्षण विज्ञान और क्रॉस-सेक्टरल संवाद को बढ़ावा देने वाला एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम बन गया है। यह 2023 में घोषित अंतर्राष्ट्रीय बिग कैट अलायंस (IBCA) जैसी वैश्विक पहलों का भी पूरक है।**

**Key Points:-**

(i) ICCON के 2025 संस्करण में 17 से अधिक विषयगत सत्र, मौखिक प्रस्तुतियाँ, पोस्टर, स्पॉटलाइट व्याख्यान और 10 कार्यशालाएँ आयोजित की जाएँगी। इसमें टेकब्रिज, भारत का पहला वन्यजीव प्रौद्योगिकी मंच होगा जो क्षेत्र संरक्षण के लिए डिजिटल नवाचारों और वास्तविक दुनिया के उपकरणों का प्रदर्शन करेगा।

(ii) ICCON 2025 छात्रों और शुरुआती करियर शोधकर्ताओं पर अपने समावेशी फोकस के लिए खड़ा है, जो मार्गदर्शन, यात्रा छात्रवृत्ति और अग्रणी संरक्षण विशेषज्ञों के

साथ नेटवर्क बनाने का अवसर प्रदान करता है, इस प्रकार इस क्षेत्र में समान भागीदारी और क्षमता निर्माण को बढ़ावा देता है।

(iii) यह सम्मेलन संरक्षण नेतृत्व, सतत जैव विविधता रणनीतियों और दक्षिण-दक्षिण सहयोग के प्रति भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है, तथा वैश्विक पर्यावरण कूटनीति में इसकी बढ़ती भूमिका को सुदृढ़ करता है।

## 3. भारत और दक्षिण अफ्रीका ने जोहान्सबर्ग में 9वीं संयुक्त रक्षा समिति (JDC) बैठक आयोजित की।

भारत और दक्षिण अफ्रीका ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को और मजबूत करने के लिए दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में 9वीं संयुक्त रक्षा समिति (JDC) की बैठक आयोजित की। दोनों देशों के वरिष्ठ रक्षा अधिकारियों ने नीति, अधिग्रहण और भविष्य की प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए सैन्य सहयोग को बढ़ावा देने के लिए रणनीतिक चर्चा की।

**• भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व रक्षा मंत्रालय (MoD) के सचिव राजेश कुमार सिंह ने किया, और इसमें रक्षा विभाग (DoD), रक्षा उत्पादन विभाग (DDP), भारतीय सशस्त्र बलों (सेना, नौसेना, वायु सेना) और दक्षिण अफ्रीका में भारतीय उच्चायोग के वरिष्ठ प्रतिनिधि शामिल थे। उनका ध्यान संस्थागत स्तर के समन्वय और संयुक्त क्षमताओं को बढ़ाने पर था।**

**• दक्षिण अफ्रीकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कार्यवाहक रक्षा सचिव थोबेकिले गामेदे ने किया। दक्षिण अफ्रीका की भागीदारी ने भारत के साथ रक्षा संबंधों को बढ़ाने और रणनीतिक सैन्य लक्ष्यों को संरेखित करने पर ज़ोर दिया। चर्चाएँ हिंद महासागर क्षेत्र (IOR) में उभरते खतरों और आपसी सुरक्षा प्राथमिकताओं पर केंद्रित रहीं।**

**• 23 जून 2025 को, उद्घाटन दिवस पर, दोनों पक्षों के सह-अध्यक्षों ने औपचारिक टिप्पणियों के साथ सत्र की शुरुआत की। उन्होंने एक संरचित एजेंडा की रूपरेखा तैयार की और दो उप-समितियों को दिशा प्रदान की: (i) रक्षा नीति और सैन्य सहयोग और (ii) रक्षा अधिग्रहण, उत्पादन, अनुसंधान और विकास। इन समूहों को परिचालन रणनीतियों पर रिपोर्ट करने का काम सौंपा गया था।**

**Key Points:-**

(i) दूसरे दिन की चर्चाओं का एक प्रमुख आकर्षण पनडुब्बी डोमेन प्रौद्योगिकियों में सहयोग को मजबूत करने पर आपसी सहमति थी। दोनों पक्षों ने नौसेना वास्तुकला, गहरे समुद्र में निगरानी प्रणाली और भविष्य के संयुक्त अभ्यासों में अंतर-संचालन जैसे क्षेत्रों की खोज की। इन परिणामों का उद्देश्य समुद्र के नीचे रक्षा क्षमताओं को बढ़ाना है।

(ii) देशों ने मेक इन इंडिया पहल और दक्षिण अफ्रीका को रक्षा निर्यात सहित रक्षा उद्योग के अवसरों की भी समीक्षा की। सैन्य उत्पादन और स्थिरता में सुधार के लिए प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, संयुक्त अनुसंधान एवं विकास, और कार्मिक विनिमय कार्यक्रम प्रस्तावित किए गए।

(iii) 9वीं JDC बैठक क्षेत्रीय स्थिरता को बढ़ावा देने, समुद्री क्षेत्र में जागरूकता बढ़ाने और प्रशिक्षण सहयोग को बढ़ाने के साझा दृष्टिकोण के साथ संपन्न हुई। इसने हिंद महासागर रिम एसोसिएशन (IORA) और BRICS रक्षा मंत्रियों की वार्ता जैसे बहुपक्षीय मंचों के प्रति दोनों देशों की प्रतिबद्धता की भी पुष्टि की।

## BANKING & FINANCE

### 1. विश्व बैंक ने बेंगलुरु में जल सुरक्षा को मजबूत करने के लिए 426 मिलियन डॉलर की परियोजना शुरू की।

जून 2025 में, विश्व बैंक ने "कर्नाटक जल सुरक्षा और लचीलापन कार्यक्रम" नामक 426 मिलियन डॉलर की परियोजना को मंजूरी दी, जिसका उद्देश्य भारत के सबसे तेजी से बढ़ते शहरी केंद्रों में से एक, बेंगलुरु, कर्नाटक में 4 मिलियन से अधिक लोगों के लिए पानी की उपलब्धता और जलवायु लचीलापन बढ़ाना है।

- **स्वीकृत वित्तपोषण अंतर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण एवं विकास बैंक (IBRD) के माध्यम से प्रदान किया जाएगा, जिसका मुख्यालय वाशिंगटन, डी.सी., USA में है। यह ऋण 20 वर्षों की अवधि के साथ आता है, जिसमें 5 वर्ष की छूट अवधि भी शामिल है, जो भारत के शहरी स्थिरता प्रयासों के लिए दीर्घकालिक समर्थन को दर्शाता है।**

- **यह कार्यक्रम जल की कमी, खराब जल अवसंरचना और अप्रत्याशित मानसून की चुनौतियों से निपटने के लिए बनाया गया है। यह जल प्रशासन में शहर-व्यापी सुधारों को लागू करेगा, जलवायु-अनुकूल अवसंरचना को बढ़ावा देगा और वंचित क्षेत्रों में सुरक्षित पेयजल और स्वच्छता तक पहुँच में सुधार करेगा।**

- **यह पहल कर्नाटक के जलवायु लचीलापन, शहरी बुनियादी ढांचे में परिवर्तन और राज्य के लचीले शहर मिशन के तहत सतत शहरीकरण के लिए राज्य स्तर पर किए जा रहे व्यापक प्रयास का हिस्सा है। कार्यक्रम में उन्नत जल संसाधन प्रबंधन उपकरण और पूर्वानुमान मॉडलिंग प्रौद्योगिकियों को एकीकृत किया जाएगा।**

**Key Points:-**

(i) समानांतर विकास में, विश्व बैंक ने तमिलनाडु महिला रोजगार और सुरक्षा (TNWES) कार्यक्रम के तहत 150 मिलियन डॉलर का एक अलग ऋण भी स्वीकृत किया है। इस पहल का उद्देश्य तमिलनाडु में 1.6 मिलियन महिलाओं के लिए रोजगार के परिणामों और कार्यस्थल के अवसरों तक पहुँच में सुधार करना है।

(ii) IBRD से यह दूसरा ऋण 5 वर्ष की छूट अवधि के साथ 25 वर्ष की लंबी अवधि का है। इसका उद्देश्य राज्य स्तरीय नीतियों को आधुनिक बनाकर, संस्थानों को मजबूत करके और नियोक्ता के नेतृत्व वाले कौशल विकास प्रयासों को प्रोत्साहित करके कौशल, उद्यमिता और औपचारिक नौकरियों तक महिलाओं की पहुँच को बढ़ाना है।

### 2. HDFC लाइफ और साइन-IIT बॉम्बे ने जीवन बीमा में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए 'InsUReka' स्टार्टअप चैलेंज शुरू किया।

जून 2025 में, HDFC लाइफ ने सोसाइटी फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप (SINE), IIT बॉम्बे के साथ मिलकर 'HDFC लाइफ InsUReka' लॉन्च किया - जो एक राष्ट्रव्यापी स्टार्टअप चुनौती है, जिसे जीवन बीमा क्षेत्र में ग्राहक अनुभव, परिचालन

दक्षता और जोखिम प्रबंधन में सफल डिजिटल नवाचारों को आमंत्रित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

**• इस चुनौती का उद्देश्य जीवन बीमा क्षेत्र में लागू की जा सकने वाली AI, स्वास्थ्य तकनीक, गेमीफिकेशन और डेटा एनालिटिक्स जैसी अत्याधुनिक तकनीकों पर काम करने वाले शुरुआती और विकास-चरण के स्टार्टअप की पहचान करना और उनका समर्थन करना है। यह पहल भारत के बड़े डिजिटल परिवर्तन लक्ष्यों और "2047 तक सभी के लिए बीमा" के मिशन के अनुरूप है।**

**Key Points:-**

(i) InsUReka के माध्यम से, शॉर्टलिस्ट किए गए स्टार्टअप को मेंटरशिप, IIT बॉम्बे में आयोजित कार्यशालाओं तक पहुंच और एचडीएफसी लाइफ के सहयोग से प्रूफ-ऑफ-कॉन्सेप्ट समाधान विकसित करने के अवसर प्राप्त होंगे। चयनित स्टार्टअप को एंटरप्राइज़ स्केलिंग फ्रेमवर्क और उद्योग नेटवर्क से भी परिचित कराया जाएगा।

(ii) आवेदन 6 मई 2025 को खुलेंगे और 7 जुलाई 2025 तक बंद हो जाएंगे। कार्यक्रम में विचार, पिचिंग राउंड और बूटकैंप चरण शामिल हैं, जिसमें अंतिम समूह को सितंबर 2025 में शामिल किए जाने की उम्मीद है। यह चुनौती भारत में बीमा नवाचार को बढ़ावा देने के मजबूत सार्वजनिक-निजी-शैक्षणिक मॉडल को दर्शाती है।

(iii) HDFC लाइफ के COO समीर योगीश्वर ने कहा कि यह पहल भारत के संपन्न स्टार्टअप इकोसिस्टम का लाभ उठाती है, जबकि साइन के CEO शाजी वर्गीस ने अनुसंधान और उद्यमशीलता प्रतिभा को औद्योगिक बीमा समाधानों में बदलने के महत्व पर जोर दिया।

## 3. IMF ने भारत के UPI को डिजिटल भुगतान परिवर्तन के लिए वैश्विक मॉडल घोषित किया।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) ने हाल ही में डिजिटल भुगतान नवाचार के लिए ब्लूप्रिंट के रूप में भारत के एकीकृत भुगतान इंटरफेस (UPI) की प्रशंसा की है, तथा भारत के डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (DPI) मॉडल को वित्तीय समावेशन और आर्थिक लचीलेपन को बढ़ावा देने के उद्देश्य वाले देशों के लिए अनुकरणीय ढांचे के रूप में मान्यता दी है।

**• IMF ने भारत के मॉड्यूलर डिजिटल आर्किटेक्चर को रेखांकित किया - जिसमें UPI, आधार, डिजीलॉकर और अकाउंट एग्रीगेटर शामिल हैं - एक शक्तिशाली, इंटरऑपरेबल इकोसिस्टम के रूप में जो नवाचार को बढ़ावा देता है और वित्तीय सेवाओं में लागत कम करता है। इसने इस संरचना को 'बिल्डिंग ब्लॉक अप्रोच' कहा जो विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में स्केलेबिलिटी को सक्षम बनाता है।**

**• वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान भारत की UPI प्रणाली देश में कुल डिजिटल भुगतान मात्रा का लगभग 84% हिस्सा होगी, जो 261 ट्रिलियन रुपये की राशि के 186 बिलियन से अधिक लेनदेन का प्रसंस्करण करेगी।**

**• RBI और NPCI की रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक स्तर पर सभी वास्तविक समय के डिजिटल भुगतानों में UPI लगभग 48% के लिए जिम्मेदार है।**

**Key Points:-**

(i) IMF ने कहा कि UPI का डिज़ाइन - ओपन APIs और रियल-टाइम सेटलमेंट पर आधारित - ने भुगतान सेवा

प्रदाताओं के बीच प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दिया है, जबकि उपयोगकर्ताओं और व्यापारियों के लिए सार्वभौमिक पहुँच सुनिश्चित की है। इसका शून्य-MDR (मर्चेंट डिस्काउंट रेट) मॉडल व्यापारियों द्वारा इसे अपनाने को बढ़ावा देता है, खासकर छोटे शहरों और ग्रामीण भारत में।

(ii) UPI की सफलता का श्रेय भारत के कल्याण वितरण तंत्र को मजबूत करने में इसकी भूमिका को भी जाता है। कोविड-19 महामारी के दौरान, भारत ने तेजी से प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (DBT) योजनाओं को लागू करने के लिए आधार और जन धन के साथ UPI का लाभ उठाया, जिससे 300 मिलियन से अधिक नागरिकों को समय पर सहायता प्राप्त करने में मदद मिली।

(iii) भारत के DPI मॉडल को अब वैश्विक स्तर पर दोहराया जा रहा है, सिंगापुर, UAE, भूटान, नेपाल और फ्रांस जैसे देशों में UPI-आधारित भुगतान प्रणाली को पहले ही अपनाया जा चुका है या इसका परीक्षण किया जा चुका है। RBI और NPCI इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (NIPL) का लक्ष्य वैश्विक DPI निर्यात रणनीति के तहत 2029 तक UPI को 20 से अधिक देशों तक विस्तारित करना है।

## ECONOMY & BUSINESS

### 1. टाटा पावर-DDL और जापान की निसिन इलेक्ट्रिक द्वारा दिल्ली में भारत का पहला माइक्रो सबस्टेशन चालू किया गया।

जून 2025 में, टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड (टाटा पावर-DDL) ने जापान की निसिन इलेक्ट्रिक कंपनी के साथ साझेदारी में दिल्ली में भारत का पहला माइक्रो सबस्टेशन चालू किया। इस परियोजना का उद्देश्य बिजली के बुनियादी ढांचे की लागत को कम करना और शहरी और दुर्गम इलाकों में बिजली की पहुँच में सुधार करना है।

- **यह मील का पत्थर परियोजना जापान की उन्नत पावर वोल्टेज ट्रांसफार्मर (PVT) प्रौद्योगिकी का उपयोग करती है, जो उच्च संचरण स्तर (66 kV) से उपयोगी स्तर (240 V) तक प्रत्यक्ष वोल्टेज स्टेप-डाउन को सक्षम बनाती है, जिससे पारंपरिक बहु-चरणीय बिजली सबस्टेशनों की आवश्यकता समाप्त हो जाती है और लागत और भूमि उपयोग दोनों में कमी आती है।**

- **माइक्रो सबस्टेशन को जापान की ऊर्जा दक्षता प्रौद्योगिकियों पर अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शन परियोजना के तहत विकसित किया गया था, जिसे NEDO (न्यू एनर्जी एंड इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन) के माध्यम से वित्त पोषित किया गया था। टाटा पावर-DDL और निसिन इलेक्ट्रिक ने सहयोग शुरू करने के लिए अगस्त 2024 में समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।**

**Key Points:-**

(i) पहला इंस्टॉलेशन नई दिल्ली के रोहिणी में टाटा पावर-DDL की स्मार्ट ग्रिड लैब में स्थित है। 40 वर्ग मीटर के कॉम्पैक्ट फुटप्रिंट के साथ, माइक्रो सबस्टेशन 100 kVA क्षमता प्रदान करता है, जो लगभग 50-60 शहरी घरों को बिजली प्रदान करता है और भविष्य में पूरे शहर में तैनाती के लिए एक पायलट के रूप में काम करता है।

(ii) यह तकनीक बुनियादी ढांचे की लागत को लगभग 96% तक कम कर देती है, पारंपरिक सेटअप के लिए ₹50-60 करोड़ से लेकर ₹2 करोड़ तक, साथ ही भूमि की आवश्यकता को भी न्यूनतम करती है - जिससे यह उच्च ऊर्जा मांग और सीमित स्थान वाले घने शहरी क्षेत्रों के लिए आदर्श बन जाती है।

(iii) यह नवाचार अंतिम मील कनेक्टिविटी में सुधार करके

और पहाड़ी या दुर्गम क्षेत्रों में लोड केंद्रों को विश्वसनीय बिजली प्रदान करके भारत के व्यापक ऊर्जा लक्ष्यों का समर्थन करता है। यह जटिल ग्रिड बुनियादी ढांचे की आवश्यकता को कम करते हुए तेजी से शहरीकरण को समायोजित करने में भी मदद करता है।

## 2. RBI की रिपोर्ट में कहा गया है कि अप्रैल 2025 तक भारत का FDI प्रवाह बढ़कर 8.8 बिलियन डॉलर हो जाएगा।

जून 2025 में जारी RBI बुलेटिन के अनुसार, भारत को अप्रैल 2025 में 8.8 बिलियन डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) प्राप्त हुआ। यह अप्रैल 2024 की तुलना में 22% की वृद्धि दर्शाता है, जो भारत में निवेशकों की मजबूत रुचि को दर्शाता है।

**• भारत को अप्रैल 2025 में 8.8 बिलियन डॉलर का FDI मिला, जो मार्च में 5.9 बिलियन डॉलर और पिछले साल अप्रैल में 7.2 बिलियन डॉलर से अधिक है। इससे पता चलता है कि विदेशी कंपनियां भारत में अधिक निवेश कर रही हैं।**

**• भारत का शुद्ध FDI (आउटगोइंग निवेश घटाने के बाद) 3.9 बिलियन डॉलर था, जो अप्रैल 2024 में 1.8 बिलियन डॉलर की तुलना में दोगुना से अधिक है। इसका मतलब है कि अधिक निवेशक भारत में पैसा भेज रहे हैं, जितना बाहर ले जा रहे हैं।**

**• अधिकांश पैसा विनिर्माण और व्यावसायिक सेवाओं में आया। ये क्षेत्र दीर्घकालिक वृद्धि के लिए विदेशी निवेशकों के बीच लोकप्रिय हो रहे हैं।**

**Key Points:-**

(i) RBI ने कहा कि भारत में मुद्रास्फीति कम है, नीतियां स्थिर हैं और घरेलू मांग मजबूत है, जो निवेशकों के लिए अच्छे संकेत हैं। हालांकि, वैश्विक अनिश्चितता अभी भी बनी हुई है।

(ii) उच्च FDI के कारण, भारत का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर लगभग 699 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जिससे भारतीय रुपये को स्थिर और मजबूत रखने में मदद मिली।

(iii) RBI गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि भारत एक शीर्ष निवेश गंतव्य बना हुआ है। वित्त वर्ष 2024-25 में, कुल एफडीआई प्रवाह लगभग 81 बिलियन डॉलर था, जो भारत की अर्थव्यवस्था में विश्वास दर्शाता है।

# SPORTS

## 1. नीरज चोपड़ा ने ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक 2025 में 85.29 मीटर थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता।

ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा ने हाल ही में चेक गणराज्य में ओस्ट्रावा गोल्डेन स्पाइक मीट में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा का खिताब जीता, उन्होंने 85.29 मीटर का प्रभावशाली थ्रो दर्ज किया - एक सप्ताह के भीतर उनकी यह दूसरी

अंतरराष्ट्रीय जीत थी, जिसमें उन्होंने शीर्ष स्तर की निरंतरता का प्रदर्शन किया।

**• नीरज चोपड़ा ने अपने तीसरे प्रयास में 85.29 मीटर की सर्वश्रेष्ठ थ्रो फेंकी, जो ओस्ट्रावा में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में जीत के लिए पर्याप्त थी - जो कि एक प्रतिष्ठित विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर गोल्ड मीट है।**

**• यह जीत उनकी पेरिस डायमंड लीग (88.16 मीटर) की जीत के कुछ ही दिनों बाद आई, जिससे उनके शानदार सत्र की पुष्टि हुई, जिसमें दोहा में 90 मीटर से अधिक थ्रो और हाल ही में ओस्ट्रावा में जीत शामिल है।**

**Key Points:-**

(i) 27 वर्षीय ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता ने अब अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में लगातार 24वीं बार शीर्ष दो में स्थान प्राप्त किया है, जिससे वह जान ज़ेलेज़नी और सर्गेई मकारोव जैसे दिग्गजों के साथ आ गए हैं।

(ii) दक्षिण अफ्रीका के डोउ स्मिट ने 84.12 मीटर के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ रजत पदक जीता, जबकि ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स ने 83.63 मीटर के साथ कांस्य पदक हासिल किया, लेकिन दोनों ही चोपड़ा के अग्रणी रिकॉर्ड को पार नहीं कर सके।

(iii) स्वर्ण पदक जीतने के बावजूद नीरज चोपड़ा ने कहा कि वे पूरी तरह संतुष्ट नहीं हैं और भविष्य की प्रतियोगिताओं में और बेहतर प्रदर्शन करने का संकल्प लिया। अब उनकी नज़र 5 जुलाई को बेंगलुरु में होने वाले नीरज चोपड़ा क्लासिक पर है, जो इस सीज़न में उनके प्रदर्शन को जारी रखेगा।

## SUMMITS & CONFERENCE / COMMITTEES & MEETINGS

### 1. भारत क्षेत्रीय विमानन और एयरो-इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देने के लिए पुणे में 2025 में 7वें हेलीकॉप्टर और लघु विमान शिखर सम्मेलन का आयोजन किया।

जून 2025 में, नागरिक उड्डयन मंत्रालय (MoCA) ने महाराष्ट्र सरकार (GoM) के साथ मिलकर पुणे में 7वें हेलीकॉप्टर और छोटे विमान शिखर सम्मेलन का आयोजन किया। पवन हंस लिमिटेड और फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (FICCI) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य तकनीकी, नीतिगत और परिचालन सुधारों के माध्यम से भारत के कम ऊंचाई वाले विमानन पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना है।

**• इस शिखर सम्मेलन का आधिकारिक उद्घाटन नागरिक उड्डयन मंत्रालय के केंद्रीय मंत्री राममोहन नायडू किंजरापु ने किया, जबकि राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय हवाई संपर्क को बेहतर बनाने और भारत के व्यापक हवाई परिवहन नेटवर्क में छोटे विमानन प्लेटफार्मों को एकीकृत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।**

**• एक प्रमुख घोषणा में नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) के तहत एक समर्पित हेलीकॉप्टर निदेशालय का निर्माण शामिल था, जो एकल-खिड़की विनियामक मंच प्रदान करेगा। निदेशालय का उद्देश्य हेलीकॉप्टर सुरक्षा, प्रमाणन मानकों में सुधार करना और सार्वजनिक और निजी दोनों ऑपरेटरों के लिए विनियामक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना है।**

**• इस शिखर सम्मेलन में 20 से अधिक राज्य सरकारों के साथ-साथ उद्योग जगत के नेताओं, अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (IFSCA), राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण**

**(NDMA), भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (AAI) और पवन हंस ने भाग लिया। विशेषज्ञों ने सतत विकास, सुरक्षा नवाचारों और विनियामक चुनौतियों पर चर्चा की।**

**Key Points:-**

(i) चर्चा की गई प्रमुख पहलों में हेली सेवा पोर्टल शामिल है, जिसे रोटरक्राफ्ट संचालन को डिजिटल बनाने और मार्ग अनुमोदन और स्लॉट प्रबंधन में पारदर्शिता में सुधार करने के लिए पेश किया गया है। इस पोर्टल से परिचालन में देरी कम होने और हेलीकॉप्टर संचालन में सेवा मानकों में सुधार होने की उम्मीद है।

(ii) इस कार्यक्रम में DGCA के उभरते सुरक्षा नियमों, IFSCA द्वारा लीज फाइनेंसिंग मॉडल और OEMs (मूल उपकरण निर्माताओं) द्वारा सामना की जाने वाली परिचालन बाधाओं पर तकनीकी सत्र शामिल थे। शिखर सम्मेलन में छोटे विमानों के लिए पायलट प्रशिक्षण विस्तार और प्रमाणन प्रणाली पर भी जोर दिया गया।

(iii) इसके अतिरिक्त, प्रतिभागियों ने क्षेत्रीय संपर्क योजना (RCS) के तहत हेलीकॉप्टरों, क्षेत्रीय हवाई पट्टियों और सीप्लेन के लिए उड़ान 5.1 मार्गों को बढ़ावा देने के लिए नई नीतियों पर चर्चा की। शिखर सम्मेलन में भारत भर में आरसीएस-उड़ान हेलीकॉप्टर मार्ग विस्तार को प्रदर्शित किया गया, जो क्षेत्रीय गतिशीलता और पर्यटन-उन्मुख हवाई पहुंच में प्रगति को दर्शाता है।

## IMPORTANT DAYS

### 1. विश्व विटिलिगो दिवस 25 जून 2025 को मनाया गया।

विश्व विटिलिगो दिवस (WVD) 2025, 25 जून को मनाया गया, ताकि विटिलिगो के बारे में वैश्विक जागरूकता को बढ़ावा दिया जा सके। विटिलिगो एक स्वप्रतिरक्षी विकार है, जो त्वचा के रंगद्रव्य कोशिकाओं को नष्ट कर देता है, जिससे त्वचा पर सफेद धब्बे और त्वचा का रंगहीन होना दिखाई देता है।

- **विश्व विटिलिगो दिवस को विटिलिगो जागरूकता दिवस या विटिलिगो पर्पल फन डे के रूप में भी जाना जाता है, जिसमें बैंगनी रंग प्रतीकात्मक रूप से विश्व भर में विटिलिगो रोगियों के प्रति समर्थन और एकजुटता का प्रतिनिधित्व करता है।**

- **WVD 2025 का आधिकारिक विषय है: "हर त्वचा के लिए नवाचार, AI द्वारा संचालित", जो विटिलिगो की देखभाल और उपचार में सुधार करने में प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका पर प्रकाश डालता है।**

**Key Points:-**

(i) इस दिवस की संकल्पना 2011 में विटिलिगो फ्रेंड्स नेटवर्क के संस्थापक स्टीव हरागाडन और नाइजीरिया के VITSAF (विटिलिगो सपोर्ट एंड अवेयरनेस फाउंडेशन) के संस्थापक ओगो मदुवेसी द्वारा की गई थी।

(ii) पहला विश्व विटिलिगो दिवस 25 जून 2011 को माइकल जैक्सन की याद में मनाया गया था, जो विटिलिगो रोग से पीड़ित थे और 25 जून 2009 को उनका निधन हो गया था।

## 2. नाविक दिवस 2025 विश्व स्तर पर 25 जून को मनाया गया।

संयुक्त राष्ट्र का अंतर्राष्ट्रीय नाविक दिवस (डॉट्स) 25 जून, 2025 को मनाया गया, जो इसका 15वाँ वार्षिक उत्सव है। यह दिन वैश्विक व्यापार को शक्ति प्रदान करने और समुद्री अर्थव्यवस्था को बनाए रखने में नाविकों की महत्वपूर्ण भूमिका का सम्मान करता है।

**• अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन (IMO) द्वारा प्रत्येक वर्ष आयोजित किया जाने वाला यह दिन - लंदन, यूनाइटेड किंगडम (UK) में मुख्यालय वाली एक संयुक्त राष्ट्र एजेंसी - आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं को वितरित करने के लिए महासागरों में यात्रा करने वाले नाविकों की प्रतिबद्धता को स्वीकार करता है।**

**Key Points:-**

(i) 2025 के अभियान का विषय "मेरा उत्पीड़न-मुक्त जहाज" है, जो दुनिया भर के सभी नाविकों के लिए सुरक्षित, सम्मानजनक और समावेशी कार्य वातावरण सुनिश्चित करने पर केंद्रित है।

(ii) इस आयोजन के विचार को मनीला, फिलीपींस में 21-25 जून, 2010 को आयोजित एक राजनयिक सम्मेलन के दौरान औपचारिक रूप दिया गया था, जहाँ नाविक प्रशिक्षण और कार्य मानकों को बेहतर बनाने के लिए STCW कन्वेंशन में मनीला संशोधन को अपनाया गया था।

(iii) उस सम्मेलन के प्रस्ताव 2 के बाद, 25 जून को आधिकारिक तौर पर नाविक दिवस के रूप में घोषित किया गया तथा वर्ष 2011 में पहली बार वैश्विक स्तर पर इसे मनाया गया।

# SCIENCE AND TECHNOLOGY

## 1. चीन ने युन्नान में दो नए चमगादड़ वायरस खोजे हैं जिनमें मानव संक्रमण की संभावना है।

चीनी शोधकर्ताओं ने युन्नान प्रांत में फल चमगादड़ों में दो नए हेनिपावायरस की पहचान की है - जो निपाह और हेंड्रा से काफी मिलते-जुलते हैं। PLOS पैथोजेन्स में प्रकाशित अध्ययन के नतीजे दूषित फल या मूत्र के माध्यम से मनुष्यों या पशुओं में फैलने की संभावना की चेतावनी देते हैं।

**• 2017 से 2021 तक किए गए एक अध्ययन में, दक्षिण-पश्चिम चीन के वायरोलॉजिस्टों ने युन्नान में पाँच स्थानों पर 142 चमगादड़ों के गुर्दे के ऊतकों का विश्लेषण किया। उन्होंने 22 वायरस की पहचान की, जिनमें 20 पहले से अज्ञात स्ट्रेन शामिल थे। सबसे बड़ी चिंता दो नए खोजे गए हेनिपावायरस हैं जो घातक निपाह और हेंड्रा वायरस से आनुवंशिक समानता रखते हैं।**

**• वायरस चमगादड़ के गुर्दे में पाए गए, जो मूत्र में संभावित रिसाव का संकेत देते हैं। चूंकि फल खाने वाले चमगादड़ अक्सर गांवों के पास के बगीचों में रहते हैं, इसलिए चमगादड़ का मूत्र फलों या जल स्रोतों को दूषित कर**

**सकता है - जिससे मनुष्यों या पालतू जानवरों में वायरस के फैलने का एक वास्तविक मार्ग बन जाता है।**

**• हेनिपावायरस मनुष्यों में एन्सेफलाइटिस और श्वसन विफलता पैदा करने के लिए कुख्यात हैं, जिनमें उच्च मृत्यु दर (75% तक) है। हालाँकि अभी तक कोई मानव मामला सामने नहीं आया है, लेकिन निपाह/हेंड्रा वायरस के साथ घनिष्ठ आनुवंशिक संबंध सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों के लिए महत्वपूर्ण चिंता का विषय है।**

**Key Points:-**

(i) शोधकर्ता व्यापक निगरानी की तत्काल आवश्यकता पर जोर देते हैं - विशेष रूप से चमगादड़ के आवासों और फल उगाने वाले क्षेत्रों में। वे चमगादड़ के मल से परे नमूनाकरण का विस्तार करके गुर्दे जैसे अंगों को भी शामिल करने की सलाह देते हैं, जहाँ छिपे हुए रोगजनक मौजूद हो सकते हैं।

(ii) यह अध्ययन चमगादड़ों में HKU5-CoV-2 जैसे कोरोनावायरस से संबंधित पहले की चिंताओं पर आधारित है, जो मानव ACE2 रिसेप्टर्स से जुड़ सकते हैं और लोगों को संक्रमित करने से "एक छोटे से उत्परिवर्तन की दूरी पर" हैं। जबकि कोरोनावायरस सुर्खियों में छाए रहते हैं, हेनिपावायरस भी इसी तरह का गंभीर लेकिन कम दिखाई देने वाला खतरा पैदा करते हैं।

(iii) कोविड-19 संकट के बाद, विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि वायरल निगरानी बहुत ज़रूरी है। चमगादड़ से निकले इन दो हेनिपावायरस की खोज ने सक्रिय जूनोटिक बीमारी की निगरानी, सख्त जैव सुरक्षा मानकों और मानव, पशु और पर्यावरणीय स्वास्थ्य को जोड़ने वाली मज़बूत 'वन हेल्थ' रणनीतियों की ज़रूरत को पुष्ट किया है।

## BOOKS & AUTHORS

**1. अमित शाह ने 1975-77 के आपातकाल के दौरान PM मोदी की भूमिगत भूमिका का वर्णन करने वाली 'द इमरजेंसी डायरीज़' का अनावरण किया।**

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में "द इमरजेंसी डायरीज़ – इयर्स दैट फोर्ज्ड ए लीडर" का विमोचन किया, जो भारत के आपातकाल (1975-77) के दौरान प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के प्रतिरोध का एक गहन शोधपूर्ण विवरण है, जिसे नई दिल्ली में इसके लागू होने की 50वीं वर्षगांठ पर लॉन्च किया गया।

**• यह पुस्तक 25 जून, 1975 को लगाए गए आपातकाल के बारे में नई जानकारी देती है, तथा इसे भारत के इतिहास का एक "काला अध्याय" बताती है। इसमें विस्तार से बताया गया है कि कैसे 25 वर्षीय नरेंद्र मोदी, जो उस समय RSS प्रचारक थे, ने जयप्रकाश नारायण और नानाजी देशमुख जैसे नेताओं के साथ मिलकर दमन का विरोध करने के लिए पूरे गुजरात में भूमिगत अभियान चलाया।**

**• अमित शाह ने मोदी के विभिन्न भेषों पर प्रकाश डाला- गिरफ्तारी से बचने के लिए साधु, सिख, हिप्पी, अगरबत्ती विक्रेता और अखबार विक्रेता के रूप में प्रस्तुत होना। मोदी ने प्रतिबंधित अखबार बांटते हुए और मीसा के तहत हिरासत में लिए गए लोगों के परिवारों से मिलते हुए लोकतांत्रिक भावना को जीवित रखते हुए गुप्त रूप से काम करने का जोखिम उठाया।**

**Key Points:-**

(i) आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर "संविधान हत्या दिवस" के तहत नई दिल्ली में आयोजित इस समारोह में मंत्री अश्विनी वैष्णव, दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जैसे गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

अमित शाह ने इस बात पर जोर दिया कि भविष्य में तानाशाही की ओर किसी भी तरह के झुकाव को रोकने के लिए इस युग को याद रखना महत्वपूर्ण है।

(ii) अमित शाह ने युवा भारतीयों से पुस्तक पढ़ने और लोकतांत्रिक व्यवस्था के निलम्बित होने पर उत्पन्न होने वाले खतरों के बारे में जानने का आग्रह किया। उन्होंने आपातकाल को न केवल एक राष्ट्रीय संकट बताया, बल्कि इसे "वंशवादी शासन को बचाने के लिए एक व्यक्तिगत संकट" भी बताया, और कहा कि इसे याद रखने से इस तरह के सत्तावादी प्रकरणों की पुनरावृत्ति को रोकने में मदद मिलती है।

## 2. केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने वरिष्ठ पत्रकार प्रेम प्रकाश की पुस्तक 'हिस्ट्री दैट इंडिया इग्नोर्ड' का विमोचन किया।

जून 2025 में, केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), डॉ. जितेंद्र सिंह ने प्रसिद्ध पत्रकार और ANI के अध्यक्ष प्रेम प्रकाश द्वारा लिखित "हिस्ट्री दैट इंडिया इग्नोर्ड" नामक एक नई पुस्तक का अनावरण किया। लॉन्च कार्यक्रम का आयोजन नई दिल्ली में प्रभा खेतान फाउंडेशन द्वारा किया गया था।

**• वितस्ता पब्लिशिंग प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रकाशित यह पुस्तक अभिलेखीय अभिलेखों, प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों और विस्तृत कालानुक्रमिक विश्लेषण पर आधारित भारत के स्वतंत्रता संग्राम के उपेक्षित आख्यानों पर प्रकाश डालती है। यह 1806 के वेल्लोर विद्रोह और 1824 के बैरकपुर विद्रोह जैसी घटनाओं पर फिर से प्रकाश डालती है, जो 1857 के विद्रोह से पहले की हैं।**

**• यह पुस्तक मंगल पांडे, मदन लाल ढींगरा, वीर सावरकर और सुभाष चंद्र बोस सहित कम प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानियों के साथ-साथ उनकी भारतीय राष्ट्रीय सेना (INA) को भी सम्मानित करती है। यह INA मुकदमों (1945-46) और 1946 के रॉयल इंडियन नेवल विद्रोह की भूमिका पर भी प्रकाश डालती है, और तर्क देती है कि इनका प्रभाव भारत की स्वतंत्रता को गति देने में महत्वपूर्ण था।**

**• लेखक प्रेम प्रकाश एक अनुभवी पत्रकार हैं, जिनके पास विशाल अंतरराष्ट्रीय अनुभव है, उन्होंने गौमोंट एक्टुएलिटेस (फ्रांस), डॉयचे वोकेनशॉ (जर्मनी) और वार्नर-पाथे न्यूज (USA) जैसे प्रसारकों के साथ काम किया है। उनके शुरुआती अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टिंग करियर ने उन्हें वैश्विक पहचान दिलाई।**

**Key Points:-**

(i) 1957 में प्रेम प्रकाश ने लंदन स्थित विश्व की पहली वैश्विक टेलीविजन समाचार एजेंसी Visnews की सह-स्थापना की। इस संगठन ने सैटेलाइट नेटवर्क के प्रभावी होने से बहुत पहले वैश्विक समाचार वीडियो सिंडिकेशन की नींव रखी।

(ii) उन्होंने भारतीय इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाओं के दौरान अग्रिम पंक्ति से रिपोर्टिंग की, जिसमें 1962 का भारत-चीन युद्ध, 1965 और 1971 का भारत-पाकिस्तान युद्ध (हाजी पीर और सियालकोट सहित), ताशकंद शिखर सम्मेलन (1969), आपातकाल (1975-77) और इंदिरा गांधी की हत्या (1984) शामिल हैं - जो पत्रकारिता की उत्कृष्टता का एक आजीवन उदाहरण है।

(iii) पत्रकारिता में उनके छह दशक लंबे योगदान के लिए, प्रेम प्रकाश को जुलाई 2023 में नई दिल्ली में आयोजित ग्लोबल एजुकेशन मेंटर अवार्ड्स में लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया।

## Static GK

| | | |
|---|---|---|
| **Export-Import Bank of India (EXIM Bank)** | MD : हर्षा बंगारी | मुख्यालय: मुंबई |
| **Kerala** | मुख्यमंत्री: पिनाराई विजयन | राज्यपाल: राजेंद्र आर्लेकर |
| **Ministry of Heavy Industries (MHI)** | मंत्री: श्री एच डी कुमारस्वामी | मुख्यालय: नई दिल्ली |
| **AICF (All India Chess Federation)** | अध्यक्ष: नितिन नारंग | मुख्यालय: नई दिल्ली |
| **WHO** | महानिदेशक: टेड्रोस एडनोम घेब्रेयेसस | मुख्यालय: जिनेवा, स्विटजरलैंड |
| **South Africa** | राष्ट्रपति: माटामेला सिरिल रामफोसा | मुद्रा: दक्षिण अफ्रीकी रैंड (ZAR) |
| **World Bank** | CFO : अंशुला कांत | मुख्यालय: वाशिंगटन, डी.सी., संयुक्त राज्य अमेरिका |
| **Tata Power Company Limited (TPCL)** | MD & CEO : प्रवीर सिन्हा | मुख्यालय: मुंबई |
| **RBI** | राज्यपाल: संजय मल्होत्रा | मुख्यालय: मुंबई |
| **China** | राजधानी: बीजिंग | राष्ट्रपति: शी जिनपिंग |
| **Ministry of Civil Aviation (MoCA)** | मंत्री: किंजरापु राम मोहन नायडू | मुख्यालय : नई दिल्ली |
| **CBSE** | अध्यक्ष: राहुल सिंह, IAS | मुख्यालय : नई दिल्ली |
| **International Monetary Fund (IMF)** | स्थापना : 1944 | मुख्यालय: वाशिंगटन डी.सी., संयुक्त राज्य अमेरिका |